

संपादकीय

दोहरा मापदंड

रूस के साथ ट्रम्प का डीजल सौदा

पिछले साल, संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस से तेल खरीदने के कारण भारत पर 25 फीसदी का अतिरिक्त शुल्क थोप दिया था। ट्रम्प के व्यापार प्रमुख पीटर नवारी ने यूक्रेन पर रूस के हमले को मांदा का युद्ध की संज्ञा तक दे दी थी। उन्होंने कहा था कि भारत ऊर्जा सौदों के जरिए रूस की आक्रामकता को आर्थिक मदद दे रहा है। पिछले महीने, ट्रम्प ने ‘लिंडसे ओ. ग्राहम सेंक्सनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट’ पर हस्ताक्षर करके उसे कानून का रूप दे दिया। इसके तहत उन्हें भारत और चीन समेत रूस से ऊर्जा खरीदने वाले तमाम देशों पर 100 फीसदी तक शुल्क लगाने का अधिकार

“समझौते के तहत 300,000 टन डीजल तुरंत अमेरिकी और वैश्विक बाजार में जारी किया जाएगा और इसके बाद नवंबर में 5,00,000 टन डीजल उपलब्ध कराया जाएगा। इस एलान के फौरन बाद, ट्रेजरी विभाग ने 7 अप्रैल, 2027 तक रूस के डीजल निर्यात पर लगे प्रतिबंधों को निलंबित कर दिया। ट्रम्प का अपने रुख से यूं पलट जाना भारत जैसे उन मुल्कों के लिए एक सबक है, जिन्हें रूस के साथ व्यापार करने के लिए आलोचना और दंड का सामना करना पड़ा है। यह ताजा नीतिगत कलाबाजी पश्चिमी देशों की रणनीतिक सोच में मौजूद विसंगति को भी उजागर करती है। पश्चिमी देशों ने व्लादिमीर पुतिन की युद्ध मशीन को कमजोर करने के वास्ते रूस के ऊर्जा क्षेत्र पर प्रतिबंध लगाए। चार साल बाद, अमेरिका ने ईरान पर बमबारी शुरू कर दी। जब ईरान युद्ध के कारण ईंधन की कीमतें बढ़ गईं, तो वाशिंगटन ने मॉस्को के साथ समझौता करने से पहले रूसी ईंधन पर लगे प्रतिबंधों में कुछ समय के लिए ढील दे दी। अमेरिका के फैसलों के पाखंड और रणनीतिक नादानी के अलावा, ट्रम्प का डीजल समझौता पश्चिमी देशों की प्रतिबंधों की व्यवस्था की नाकामी को भी दर्शाता है। जब 2022 में रूस ने यूक्रेन पर हमला किया, तो पश्चिमी देशों ने प्रतिबंधों के जरिए रूस की अर्थव्यवस्था को खोखला करने और कीच को हथियार देकर यूक्रेन में रूस की सेना को कमजोर करने की दोतरफा रणनीति अपनाई। लेकिन ये प्रतिबंध दोधारी तलवार साबित हुए। इनसे जहां रूस की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा, वहीं रूस और यूरोप के बीच व्यापार में कमी आने से यूरोपीय अर्थव्यवस्थाएं भी गहरे संकट में फंस गई हैं। खासकर, जर्मनी ज्यादा परेशान हाल है। प्रतिबंधों के असर को भरपाई के लिए, मॉस्को ने पूर्व की ओर रुख किया जहां चीन और भारत रियायती दरों पर रूसी ईंधन खरीदने के लिए तैयार थे। यह परिघटना आर्थिक परिदृश्य में आए बदलावों को भी रेखांकित करती है। ट्रम्प की एकाएक पलटबाजी ने यूक्रेन और यूरोप को एक ऐसे वक्त में मुश्किल स्थिति में डाल दिया है, जब मॉस्को यूक्रेन पर बमबारी तेज कर रहा है और ‘ग्रे-जोन’ वाली रणनीतियों के जरिए नाटो के संकल्प का इम्तिहान ले रहा है। अगर क्रसेवका को लगता है कि युद्ध को लंबा खींचने से यूक्रेन में रूस को पूरी तरह कमजोर कर देने का उसका रणनीतिक लक्ष्य पूरा हो जाएगा, तो वह शायद गलती कर रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि ट्रम्प नाटो की सामूहिक सुरक्षा या कीच की सुरक्षा में कम दिलचस्पी देने दिखते हैं। इसके बाजया, नाटो के सदस्य देशों का ध्यान कूटनीतिक समाधान खोजने पर होना चाहिए। अगर ट्रम्प युद्ध के बीच पुतिन के साथ डीजल का समझौता कर सकते हैं, तो उन्हें युद्धरत पक्षों, यूरोप में अपने सहयोगियों और मॉस्को में अपने नए साझेदार के साथ मिलकर काम करना चाहिए, ताकि युद्धनिराम हो सके और रूस तथा नाटो के बीच तनाव कम हो सके। इस बीच, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप को रूस के साथ व्यापार करने को लेकर ‘ग्लोबल साउथ’ को नैतिकता का पाठ पढ़ाना बंद कर देना चाहिए।

डॉ. सत्यवान सौरभ

महँगाई केवल बाजार में वस्तुओं की कीमतों बढ़ने का नाम नहीं है, बल्कि यह पूरी

अर्थव्यवस्था की उत्पादन क्षमता, आम आदमी की क्रय शक्ति और सरकार की आर्थिक नीतियों की परीक्षा भी है। जब वस्तुओं के उत्पादन और थोक कारोबार के स्तर पर कीमतें तेजी से बढ़ती हैं, तो उसका प्रभाव धीरे-धीरे खुदरा बाजार, घरेलू बजट और औद्योगिक गतिविधियों तक पहुँचता है। भारत में थोक महँगाई का प्रभाव इसी व्यापक आर्थिक चुनौती की ओर संकेत करता है। सितंबर 2026 में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महँगाई दर 11.39 प्रतिशत तक पहुँचने का आँकड़ा, यदि आधिकारिक रूप से पुष्ट है, तो यह उत्पादन लागत और आपूर्ति व्यवस्था पर बढ़ते दबाव की गंभीर तस्वीर प्रस्तुत करता है। ईंधन, खाद्य पदार्थों और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि इस दबाव को और व्यापक बनाती है।

थोक मूल्य सूचकांक उन वस्तुओं की कीमतों में होने वाले बदलाव को मापता है, जिनका कारोबार थोक स्तर पर होता है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के विपरीत, यह मुख्यतः उत्पादकों और व्यापारियों के स्तर पर कीमतों की स्थिति को दर्शाता है। थोक महँगाई में तेजी आने का अर्थ यह नहीं कि खुदरा महँगाई भी उसी अनुपात में बढ़ेगी, लेकिन यदि उत्पादन लागत लंबे समय तक ऊँची बनी रहती है, तो उसका बोझ अंततः उपभोक्ताओं तक पहुँच सकता है।

थोक महँगाई के प्रमुख कारणों में ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि सबसे महत्वपूर्ण है। पेट्रोलियम पदार्थों का उपयोग केवल वाहनों में ही नहीं, बल्कि कृषि, उद्योग, बिजली उत्पादन

और माल ढुलाई में भी होता है। डीजल महँगा होने से खेतों की जुताई, सिंचाई और कृषि उपज को मंडियों तक पहुँचाने का खर्च बढ़ता है। इसी प्रकार, औद्योगिक इकाइयों के लिए बिजली और ईंधन की बढ़ती लागत उत्पादन को महँगा बना देती है। जब ऊर्जा की कीमतों में लगातार वृद्धि होती है, तो उसका प्रभाव वस्तुओं के उत्पादन से लेकर उनके अंतिम उपभोक्ता तक पहुँचने की पूरी प्रक्रिया पर पड़ता है।

पश्चिम एशिया में तनाव, अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में अनिश्चितता और आपूर्ति मार्गों में व्यवधान भारत जैसे आयात-निर्भर देश के लिए विशेष चुनौती पैदा करते हैं। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात से पूरा करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उछाल का असर घरेलू उत्पादन क्षमता, व्यापार संतुलन और महँगाई पर पड़ सकता है। यदि ईंधन एवं बिजली की महँगाई में वास्तव में 25.85 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है, तो यह औद्योगिक और परिवहन लागत पर गंभीर दबाव का संकेत होगा। हालाँकि, इस विशिष्ट आँकड़े की आधिकारिक पुष्टि आवश्यक है।

भारत में खाद्य महँगाई का संबंध केवल मांग से नहीं, बल्कि कृषि उत्पादन, मौसम, भंडारण और वितरण व्यवस्था से भी है। अनियमित मानसून, कहीं अत्यधिक वर्षा तो कहीं सूखे अनेक अन्य कच्चे माल अंतरराष्ट्रीय बाजार से खरीदे जाते हैं। जब इन वस्तुओं की वैश्विक कीमतें बढ़ती हैं, तो घरेलू उद्योगों की लागत भी बढ़ती है। इसे आयातित महँगाई कहा जाता है। इसके साथ रुपये का कमजोर होना समस्या को और बढ़ा सकता है। यदि डॉलर की तुलना में

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जनकल्याणकारी योजनाएं

ग्रामीण परिवारों के जीवन में

सकारात्मक बदलाव का माध्यम बन रही है। बेटियों के सुरक्षित भविष्य से लेकर किसानों की आय बढ़ाने, जल संरक्षण, स्वरोजगार और ग्रामीण अधोसंरचना के विकास तक शासन की विभिन्न योजनाएं गांवों में नई संभावनाओं के द्वार खोल रही हैं।

सरगुजा जिले में इन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर रहे परिवारों की कहानियां बताती हैं कि जब शासन की सहायता और ग्रामीणों की मेहनत एक साथ जुड़ती है, तो सीमित संसाधनों के बीच भी आत्मनिर्भरता और खुशहाली की राह आसान होने लगती है।

सरगुजा के ग्रामीण अंचलों में नोनी सुरक्षा योजना बेटियों के भविष्य को आर्थिक संबल प्रदान कर रही है, वहीं राज्य डेयरी उद्यमिता विकास योजना से पशुपालन को नियमित आय के साधन के रूप में विकसित करने में मदद मिल रही है। ग्रामीण रोजगार योजना के अंतर्गत निर्मित आजीविका डबकियां जल संरक्षण के साथ खेती और मछली पालन के अवसर बढ़ा रही हैं। दूसरी ओर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से गांवों में बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध होने से ग्रामीणों की शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और रोजगार के अवसरों तक पहुँच सुगम हो रही है। विकास की ये पहलें ग्रामीण परिवारों के जीवन स्तर में सुधार के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान कर रही हैं।

नोनी सुरक्षा योजना से आंचल के सपनों को मिला आर्थिक संबल

हर माता-पिता की इच्छा होती है कि उनकी बेटी अच्छी शिक्षा प्राप्त करे और आत्मनिर्भर बनकर अपने सपनों को साकार करे। आर्थिक रूप से सीमित संसाधनों वाले परिवारों के लिए बेटियों के भविष्य की चिंता स्वाभाविक होती है। ऐसे परिवारों को छत्तीसगढ़ शासन की नोनी सुरक्षा योजना महत्वपूर्ण सहारा प्रदान कर रही है। अम्बिकापुर विकासखंड की ग्राम पंचायत कृष्णापुर निवासी मानती राजवाड़े की बेटी आंचल राजवाड़े को इस योजना के अंतर्गत भारतीय जीवन बीमा निगम के माध्यम से एक लाख रुपये का बॉन्ड प्राप्त हुआ है।

विचार

जनकल्याणकारी योजनाओं से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे ग्रामीण परिवार

मानती राजवाड़े के लिए यह बॉन्ड

केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि बेटी के सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य की उम्मीद भी है। योजना की निर्धारित शर्तों के अनुसार आंचल के 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर मिलने वाली राशि का उपयोग उसकी आगे की पढ़ाई और अन्य आवश्यकताओं के लिए किया जा सकेगा। इससे परिवार को भविष्य में शिक्षा संबंधी खर्चों की व्यवस्था करने में सहायता मिलेगी। नोनी सुरक्षा योजना बेटियों के प्रति परिवारों में सकारात्मक सोच विकसित करने के साथ उनकी शिक्षा और आर्थिक सुरक्षा को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

कृषि प्रधान ग्रामीण अर्थव्यवस्था में पशुपालन किसानों के लिए आय का महत्वपूर्ण अतिरिक्त साधन बन रहा है। सरगुजा जिले के लमगांव निवासी मनोज कुमार पटेल ने राज्य डेयरी उद्यमिता विकास योजना का लाभ लेकर डेयरी व्यवसाय को अपनी आजीविका का मजबूत आधार बनाया है। शासन की सहायता और स्वयं की मेहनत से उन्होंने दूध उत्पादन एवं विक्रय का कार्य आगे बढ़ाया है। आज वे प्रतिदिन लगभग 30 लीटर दूध का विक्रय कर करीब 1,200 रुपये की आमदनी अर्जित कर रहे हैं।

मनोज कुमार पटेल के अनुसार, दूध विक्रय से प्राप्त मासिक आय में पशुओं के चारे और अन्य आवश्यक खर्चों को निकालने के बाद लगभग 15 हजार रुपये की बचत हो रही है। डेयरी व्यवसाय से उन्हें नियमित आय प्राप्त हो रही है, जिससे परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में सहायता मिल रही है। खेती के साथ पशुपालन अपनाने से उनकी आय के स्रोतों में विविधता आई है। मनोज की सफलता यह दर्शाती है कि शासन की पंचायत कृष्णापुर निवासी मानती राजवाड़े और किसान स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों से स्वरोजगार के अवसर विकसित कर सकते हैं।

डेयरी व्यवसाय की विशेषता यह है कि



इससे ग्रामीण परिवारों को केवल मौसमी कृषि आय पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। दूध उत्पादन और बिक्री से नियमित नकद आय प्राप्त होती है, जिसका उपयोग परिवार की दैनिक जरूरतों, बच्चों की शिक्षा और अन्य आवश्यक कार्यों में किया जा सकता है। पशुपालन आधारित ऐसी गतिविधियां ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ स्वरोजगार को भी प्रोत्साहित कर रही हैं।

ग्रामीण विकास में जल संरक्षण की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्षा जल का संचयन केवल सिंचाई की सुविधा उपलब्ध नहीं कराता, बल्कि खेती के साथ मछली पालन जैसी अतिरिक्त आजीविका गतिविधियों का आधार भी बन सकता है। सरगुजा जिले के ग्रामीण अंचल में रहने वाले श्री फूना राम पहाड़ी कोरवा के लिए आजीविका डबरी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई है। ग्रामीण रोजगार योजना के अंतर्गत उनकी खाली पड़ी जमीन पर आजीविका डबरी का निर्माण किया गया, जिससे वर्षा जल के संग्रहण और उसके उपयोग की सुविधा विकसित हुई।

डबरी में संचित पानी से फूना राम को मछली पालन शुरू करने का अवसर मिला है। पहले अनुपयोगी पड़ी भूमि अब परिवार के लिए आजीविका की संभावनाएं पैदा कर रही है। मछली पालन से भविष्य में अतिरिक्त आय अर्जित करने का मार्ग खुला है। विशेष रूप से ग्रामीण और जनजातीय परिवारों के लिए इस

राजधानी नई दिल्ली में गुजरात के गरबों और दुर्गा पांडालों की धूम

गोपेन्द्र नाथ भट्ट

देश की राजधानी नई दिल्ली इन दिनों नवरात्रि और दुर्गा पूजा के रंगों में रंगी हुई है। कहीं गुजराती गरबों की थाप पर थिरकते कदम हैं, तो कहीं मां दुर्गा के भव्य पंडालों में उमड़ती श्रद्धा और भक्ति का सैलाब। पारंपरिक वेशभूषा, लोकसंगीत, आकर्षक विद्युत सज्जा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दिल्ली राजधानी के वातावरण को उत्सवमय बना दिया है। यह दृश्य राजधानी की बहुसांस्कृतिक पहचान और भारत की विविधता में एकता की परंपरा को भी रेखांकित करता है।

गरबा-डांडिया में गुजराती संस्कृति की छटा

नवरात्र के अवसर पर दिल्ली के विभिन्न इलाकों में गुजराती गरबा और डांडिया आयोजनों की विशेष धूम है। रंग-बिरंगे चनिया-चोली, कढ़ाईदार चाघरे, पारंपरिक आभूषण और पुरुषों की केड्डिया-पागड़ी से सजे प्रतिभागी मां दुर्गा की आराधना के साथ गोल घेरे में गरबा करते दिखाई दे रहे हैं। ढोल की थाप और पारंपरिक गुजराती गीतों के बीच डांडिया की खनक उत्सव में चार चांद लगा रही है।

दिल्ली में गुजराती समाज के विभिन्न गरबों के साथ ही शाह ऑडिटोरियम,गुजरात अपार्टमेंट,गुजरात विहार,जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, मेजर ध्यानचंद स्टेडियम, राजवाड़ा, पीसीओआई क्लब, चाणक्यपुरी वसंत विहार स्थित ललित महाजन स्कूल में 16 से 18 अक्टूबर तक आयोजित ‘रंगताली-2026’ में गरबा, डांडिया और रास के साथ गुजराती खानपान तथा सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन



किया गया है। वहीं, पूर्वी दिल्ली के यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्थित ऑरिएंट बैक्रेट हॉल में 16 से 19 अक्टूबर तक गुजराती गरबा एवं डांडिया उत्सव आयोजित किया जा रहा है। इन आयोजनों में परिवारों और युवाओं की भागीदारी नवरात्र की सामाजिक लोकप्रियता को दर्शाती है।

दुर्गा पूजा पंडालों में आस्था और कला का संगम

दूसरी ओर, राजधानी नई दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित दुर्गा पूजा उत्सव धार्मिक आस्था के साथ कला, संगीत और सामुदायिक सहभागिता को भी प्रोत्साहित कर रहा है। बंगाली समुदाय की दुर्गा पूजा ने भी राजधानी दिल्ली को विशेष रंग प्रदान किया है। दक्षिण दिल्ली में कालका

जी के निकट चितरंजन पार्क दुर्गा पूजा के प्रमुख केंद्रों में शामिल है। यहां आकर्षक पंडाल, कलात्मक प्रतिमाएं, रोशनी की सजावट, धाक की गूंज और पारंपरिक आरती श्रद्धालुओं की आकर्षित कर रही है। पूजा के साथ बंगाली व्यंजनों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद भी लिया जा रहा है। इसी प्रकार उत्तर दिल्ली के कश्मीरी गेट क्षेत्र में दुर्गा पूजा की ऐतिहासिक परंपरा विशेष महत्व रखती है। यहां पारंपरिक शैली में मां दुर्गा की प्रतिमा और पूजा-अर्चना की विरासत पीढ़ियों से संरक्षित है।

दिल्ली की इन उत्सवमय शामों का महत्व केवल धार्मिक आयोजनों तक सीमित नहीं है। गुजरात का गरबा, बंगाल की दुर्गा पूजा और उत्तर भारत की नवरात्र परंपराएं एक साथ राजधानी दिल्ली और निकटवर्ती एनसीआर क्षेत्रों में परस्पर सौहार्द के साथ दिखाई देती हैं। विभिन्न राज्यों से आकर बसे लोग अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखते हुए दूसरे समुदायों के उत्सवों में भी भागीदारी करते हैं।

हालांकि, नई दिल्ली और निकटवर्ती एनसीआर क्षेत्रों में बढ़ती भीड़ के बीच यातायात प्रबंधन, पार्किंग और सार्वजनिक सुरक्षा व्यवस्था के लिए भी एक चुनौती बनी हुई है। दिल्ली पुलिस द्वारा दुर्गा पूजा के दौरान चितरंजन पार्क और ग्रेटर कैलाश-द्वितीय के कुछ क्षेत्रों में 16 से 20 अक्टूबर तक शाम चार बजे से मध्यरात्रि तक यातायात प्रतिबंधों की विभिन्न सूचनाएं दी गई हैं। कुल मिलाकर, राजधानी में गुजराती गरबों और दुर्गा पंडालों की रौनक समृद्ध भारतीय संस्कृति की जीवंतता का परिचय दे रही है। यहां ये उत्सव केवल नृत्य, संगीत और सजावट नहीं, बल्कि आस्था, परंपरा, सामाजिक मेल-मिलाप और राष्ट्रीय एकता का साझा उत्सव भी बन गए हैं।

केवल ब्याज दर बढ़ाने से आपूर्ति संबंधी समस्याएं दूर नहीं होतीं। इसलिए महँगाई की प्रकृति को समझकर ही नीतिगत कदम उठाना आवश्यक है। थोक महँगाई पर नियंत्रण के लिए सबसे पहले आपूर्ति व्यवस्था मजबूत करनी होगी। कृषि उपज के भंडारण, शीतगुहों, ग्रामीण सड़कों, रेल माल ढुलाई और आधुनिक मंडियों में निवेश बढ़ाना आवश्यक है। इससे फसल कटाई के बाद होने वाला नुकसान कम होगा और वस्तुओं को बाजार तक पहुँचाने की लागत घटेगी।

खाद्य पदार्थों की कीमतों में असामान्य उछाल आने पर सरकार को बफर स्टॉक का विवेकपूर्ण उपयोग, समयबद्ध बाजार हस्तक्षेप और जरूरत के अनुसार आयात-निर्यात नीति में बदलाव करना चाहिए। ऐसे निर्णय पारदर्शी और संतुलित होने चाहिए, ताकि उपभोक्ताओं को राहत देने के साथ किसानों के हित भी सुरक्षित रहें। जमाखोरी और कुत्रिम कमी पर प्रभावी निगरानी भी जरूरी है। दीर्घकाल में ऊर्जा के आयात पर निर्भरता घटाना महत्वपूर्ण है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देकर वैश्विक कीमतों के झटकों से बचाव किया जा सकता है। उद्योगों के लिए प्रतिस्पर्धी ऊर्जा, बेहतर तकनीक और सस्ती रसद उपलब्ध कराने से उत्पादन लागत कम करने में सहायता मिलेगी।

साथ ही, छोटे और मध्यम उद्यमों को सुलभ ऋा तथा तकनीकी सहायता प्रदान की जानी चाहिए, ताकि वे बढ़ती लागत के दबाव का सामना कर सकें और उत्पादन एवं रोजगार बनाए रख सकें।

कर्णा सेना ने राष्ट्रीय और छत्तीसगढ़ राज्य स्तर पर सर्वण/सामान्य बग आयोग गठित करने की मांग की है। संगठन के अनुसार, आयोग के माध्यम से सामान्य और EWS वर्ग की शिक्षा, रोजगार, छात्रवृत्ति, आर्थिक स्थिति और कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। संगठन चाहता है कि आयोग को प्रभावी वैधानिक अधिकार दिए जाएं, ताकि वह शिक्षायों की सुनवाई करने के साथ संबंधित वर्गों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति का अध्ययन कर सके। साथ ही, आरक्षण के क्रियान्वयन और कल्याणकारी योजनाओं को लेकर सरकार को सुझाव देने की व्यवस्था हो। संगठन के मुताबिक, 23 अक्टूबर को सिविक सेंटर में प्रदर्शन के बाद जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जाएगा। पदाधिकारियों ने कहा कि उनकी मांगों शिक्षा, रोजगार, आरक्षण और कानूनी संरक्षण से संबंधित हैं।

खास खबर



बिजली बिल भुगतान समाधान : बसंत को 62,790 की छूट

एमसीबी। शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं आम नागरिकों को आर्थिक राहत प्रदान करने और उनके जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसी कड़ी में मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के मनेन्द्रगढ़ निवासी सरदार बसंत सिंह को मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना के तहत 62,790 की छूट का लाभ मिला है। इस राहत के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है। सरदार बसंत सिंह का बिजली बिल बकाया था, जिसके भुगतान को लेकर उन्हें आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। ऐसे में मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना के अंतर्गत उन्हें बकाया राशि में 62,790 की छूट मिली। इस छूट के बाद उनके बिजली बिल की शेष बकाया राशि 90,964 रह गई है। योजना के माध्यम से मिली इस सहायता से उनके बकाया बिल का बोझ कम हुआ है और भुगतान को लेकर राहत मिली है। बिजली प्रत्येक परिवार की बुनियादी जरूरतों में शामिल है। घरेलू कार्यों से लेकर दैनिक जीवन की विभिन्न आवश्यकताओं तक इसकी उपयोगिता बनी रहती है। ऐसे में बिजली बिल की बकाया राशि अधिक होने पर उसका भुगतान करना कई उपभोक्ताओं के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना के माध्यम से पात्र उपभोक्ताओं को निर्धारित प्रावधानों के अनुसार राहत उपलब्ध कराई जाती है।

शौर्याजलि में शामिल हुए मुख्यमंत्री साय

बस्तर में जवानों की शहादत को याद रखेगा छत्तीसगढ़ : साय

- शहीद जवानों ने बस्तर की आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की रखी नींव
- शहीद परिवारों का सम्मान और कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता
- विश्वास और विकास की नई पहचान गढ़ रहा बस्तर
- शहीदों के सपनों का शांतिपूर्ण, सुरक्षित बस्तर बनाना ही सच्ची श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि बस्तर की धरती पर शांति की स्थापना और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले हमारे वीर जवानों का शौर्य, त्याग और समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। हमारे जवानों ने केवल नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष नहीं किया, बल्कि अपने रक्त और बलिदान से बस्तर में शांति, सुरक्षा और खुशहाली के नए युग की नींव रखी है। आज बस्तर में शांति और विश्वास की जो नई सुबह दिखाई दे रही है, उसके पीछे हमारे सुरक्षा बलों का अदम्य साहस और अमर शहीदों का सर्वोच्च बलिदान है।

मुख्यमंत्री श्री साय राजधानी रायपुर में द हिन्दू फाउंडेशन, नागपुर द्वारा आयोजित 'शौर्याजलि : बस्तर के नायकों को समर्पित' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बस्तर में शांति और सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले 50 अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके परिजनों का सम्मान किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने शहीद परिवारों के प्रति गहरी संवेदना और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि किसी अपने को खोने की पीड़ा को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। जब एक जवान देश और समाज की रक्षा करते हुए शहीद होता है तो एक मां अपना बेटा, पत्नी अपना जीवनसाथी और बच्चे अपने पिता का स्वरूप प्रदान किया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के. विनोद कुजूर तथा प्रधान न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय, दुर्ग सुमन एक्का की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित संगोष्ठी में द्वितीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रशांत पराशर ने 'न्याय श्रुति नियम, 2025' के प्रमुख प्रावधानों और उनके व्यावहारिक क्रियान्वयन पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का अभिभाषण प्रथम व्यवहार न्यायाधीश, कनिष्ठ श्रेणी, दुर्ग दीपांशी जैन द्वारा प्रस्तुत किया गया। संगोष्ठी में इस बात



साया खो देते हैं। इस अपूरणीय क्षति की भरपाई संभव नहीं है, लेकिन पूरा छत्तीसगढ़ अपने वीर सपूतों और उनके परिवारों के प्रति सदैव कृतज्ञ रहेगा।

उन्होंने शहीद परिवारों से कहा कि आपके अपने केवल आपके परिवार के सदस्य नहीं थे, वे पूरे छत्तीसगढ़ और राष्ट्र के गौरव हैं। उन्होंने अपने जीवन से साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया है, जिसे आने वाली पीढ़ियां गर्व और सम्मान के साथ याद करेंगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन ने नक्सलवाद के समूल उन्मूलन के लिए केंद्र

शहीद परिवारों के सुख-दुख में साथ खड़ी है सरकार

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शहीद परिवारों का सम्मान, सुरक्षा और कल्याण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। मातृभूमि और समाज की सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले जवानों के परिवारों की चिंता करना सरकार का दायित्व है। राज्य सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ शहीद परिवारों के सुख-दुख में सहभागी है और भविष्य में भी हर परिस्थिति में उनके साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। उन्होंने कहा कि शहीदों के परिवार हमारे लिए केवल सहायता के पात्र परिवार नहीं, बल्कि हमारे अपने परिवार हैं। उनका सम्मान करना और उनकी आवश्यकताओं का ध्यान रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

और राज्य सरकार ने दृढ़ इच्छाशक्ति तथा बेहतर समन्वय के साथ अभियान चलाया है। केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा निर्धारित 31 मार्च 2026 के लक्ष्य को लेकर सुरक्षा बलों ने पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया।

उन्होंने कहा कि चार दशकों से बस्तर में गहरी जड़ें जमा चुके नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष आसान नहीं था। घने जंगलों, दुर्गम पहाड़ियों और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच हमारे जवानों ने अभूतपूर्व साहस का परिचय दिया। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयास, सुरक्षा बलों की रणनीति और जवानों के अदम्य पराक्रम से नक्सलवाद के विरुद्ध अभियान को निर्णायक सफलता मिली। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर अपनी

समृद्ध जनजातीय संस्कृति, गौरवशाली परंपराओं, अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य और सरल-सहज जनजीवन के लिए पूरी दुनिया में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। दुर्भाग्य से चार दशकों तक इस सुंदर अंचल को नक्सली हिंसा का दंश झेलना पड़ा। हजारों परिवार हिंसा से प्रभावित हुए। अनेक बच्चों का बचपन भय और असुरक्षा के बीच गुजरा और दूरस्थ अंचलों के लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए भी लंबे समय तक संघर्ष करना पड़ा।

उन्होंने कहा कि इस कठिन दौर में हमारे सुरक्षा बलों के जवान बस्तरवासियों की सुरक्षा के लिए चट्टान की तरह खड़े रहे। अपने परिवारों से सैकड़ों किलोमीटर दूर रहकर

शांति, विश्वास और विकास की पहचान गढ़ रहा बस्तर

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अब बस्तर में विकास और खुशहाली के नए द्वार खुल रहे हैं। सड़कें बन रही हैं, बिजली पहुंच रही है, स्कूल और स्वास्थ्य सुविधाएं विकसित हो रही हैं तथा शासन की योजनाएं अंतिम छोर के गांवों तक पहुंच रही हैं। 'नियद नेल्लानार' योजना के माध्यम से गांवों तक शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और मूलभूत सुविधाओं को पहुंचाया जा रहा है। आज बस्तर के बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं और युवाओं को खेल, कौशल विकास तथा रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं। बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजनों के माध्यम से गांव-गांव की खेल प्रतिभाएं सामने आ रही हैं, वहीं बस्तर पंडुम इस अंचल की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, कला और परंपराओं को नई पहचान दे रहा है।

दुर्ग में न्याय श्रुति नियम-2025 पर विधिक संगोष्ठी एवं डिजिटल साक्ष्य प्रदर्शनी आयोजित

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। न्याय की राह में दूरियां कम हो रही हैं और तकनीक न्यायिक प्रक्रिया को नए आयाम दे रही है। अब ऑडियो-वीडियो माध्यमों से साक्ष्य दर्ज करने से लेकर डिजिटल साक्ष्यों के महत्व को समझने तक, न्याय व्यवस्था में तकनीक की भूमिका लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही है। ऐसे में तकनीक का उपयोग केवल सुविधाजनक ही नहीं, बल्कि विधिस्मत्त, निष्पक्ष और विश्वसनीय होना भी आवश्यक है।

इसी दृष्टिकोण को केंद्र में रखते हुए जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग में 16 अक्टूबर को ऑडियो-वीडियो इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से न्यायिक कार्यवाही एवं न्याय श्रुति नियम, 2025 का विधिक एवं व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य विषय पर विधिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में न्यायिक कार्यवाही के आधुनिक स्वरूप, साक्ष्य की प्रक्रिया और तकनीकी साधनों के विधिस्मत्त उपयोग पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के साथ ई-साक्ष्य एवं डिजिटल साक्ष्यों से संबंधित प्रदर्शनी भी आयोजित की गई, जिसने आयोजन को व्यावहारिक और ज्ञानवर्धक



स्वरूप प्रदान किया।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के. विनोद कुजूर तथा प्रधान न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय, दुर्ग सुमन एक्का की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित संगोष्ठी में द्वितीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रशांत पराशर ने 'न्याय श्रुति नियम, 2025' के प्रमुख प्रावधानों और उनके व्यावहारिक क्रियान्वयन पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का अभिभाषण प्रथम व्यवहार न्यायाधीश, कनिष्ठ श्रेणी, दुर्ग दीपांशी जैन द्वारा प्रस्तुत किया गया। संगोष्ठी में इस बात

पर बल दिया गया कि आधुनिक तकनीक न्यायिक कार्यवाही को अधिक सुगम और समयबद्ध बनाने में सहायक हो सकती है, लेकिन इसका प्रभावी उपयोग तभी संभव है, जब विधिक प्रावधानों का पालन करते हुए साक्ष्य की विश्वसनीयता और न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित की जाए।

संगोष्ठी का एक महत्वपूर्ण आकर्षण प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा विधिक कार्यवाही को अधिक सुगम और समयबद्ध बनाने में सहायक हो सकती है, जब विधिक प्रावधानों का पालन करते हुए साक्ष्य की विश्वसनीयता और न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित की जाए।

प्रदर्शनी का उद्देश्य डिजिटल साक्ष्यों की प्रक्रिया, उनके महत्व और न्यायिक कार्यवाही में उनकी प्रासंगिकता के प्रति समझ विकसित करना था।

इस पहल ने संगोष्ठी की विषयवस्तु को व्यावहारिक आयाम प्रदान किया। जहाँ संगोष्ठी में नियमों और प्रक्रियाओं की विधिक व्याख्या की गई, वहीं प्रदर्शनी के माध्यम से ई-साक्ष्य एवं डिजिटल साक्ष्यों से संबंधित जानकारी को एक अलग और सहज स्वरूप में प्रस्तुत किया गया। इस प्रकार न्यायिक तकनीक से जुड़े विषयों को केवल सैद्धांतिक चर्चा तक सीमित न रखते हुए, उन्हें प्रत्यक्ष जानकारी और जागरूकता से जोड़ने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा आकर्षक रंगोली का निर्माण कराया गया। रंगोली ने आयोजन को रचनात्मक स्वरूप प्रदान करने के साथ उसकी शोभा भी बढ़ाई। विधिक संगोष्ठी, डिजिटल साक्ष्य प्रदर्शनी और कलात्मक प्रस्तुति का यह समन्वय दर्शाता है कि विधिक जागरूकता को प्रभावी बनाने के लिए पारंपरिक और आधुनिक, दोनों प्रकार के माध्यम उपयोगी हो सकते हैं।

छात्राओं को मासिक धर्म स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति किया गया जागरूक

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत किशोरी बालिकाओं को मासिक धर्म स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक करने, उनसे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने तथा सुरक्षित मासिक धर्म प्रबंधन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन धमतरी द्वारा निरंतर पहल की जा रही है।

इसी क्रम में कलेक्टर श्री अविनाश मिश्रा के निर्देशन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जयंत नाहटा के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' एवं बाला संस्था के संयुक्त प्रयास से जिले के शासकीय विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इस पहल के तहत हायर सेकेंडरी स्कूल, संबलपुर में 118 छात्राओं की नि:शुल्क पुनः उपयोग योग्य सेनेटरी पैड वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान बिहान के प्रशिक्षित कैडरों ने छात्राओं को मासिक धर्म के दौरान व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने, स्वास्थ्य



संबंधी आवश्यक सावधानियों तथा पुनः उपयोग योग्य सेनेटरी पैड के सुरक्षित इस्तेमाल के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्हें पैड की उचित धुलाई, पूरी तरह सुखाने और स्वच्छ स्थान पर सुरक्षित रखने की सही प्रक्रिया भी समझाई गई।

कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य किशोरी बालिकाओं को मासिक धर्म से संबंधित सही एवं वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराना, सामाजिक झिझक और प्रचलित भ्रांतियों को दूर करना तथा उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग एवं आत्मविश्वासी बनाना है। मासिक धर्म एक स्वाभाविक जैविक प्रक्रिया है। इस विषय पर सहज संवाद और सही जानकारी से

बालिकाओं को अपनी स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को समझने तथा स्वच्छता के उचित तरीकों को अपनाने में मदद मिलती है।

पुनः उपयोग योग्य सेनेटरी पैड का उचित तरीके से इस्तेमाल आर्थिक दृष्टि से किफायती होने के साथ-साथ एकल उपयोग वाले सैनिटरी उत्पादों से उत्पन्न अपशिष्ट को कम करने में भी सहायक हो सकता है। इसके लिए पैड की निश्चित स्वच्छता संबंधी प्रक्रिया का पालन करना आवश्यक है। इस पहल के माध्यम से छात्राओं को स्वास्थ्य, स्वच्छता, आर्थिक बचत और पर्यावरण संरक्षण के बीच संबंधों के प्रति भी जागरूक किया जा रहा है।

गरियाबंद के चार हजार घरों को रौशन कर रही सौर ऊर्जा

श्रीकंचनपथ समाचार

गरियाबंद। जिले के उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में सौर ऊर्जा के माध्यम से ग्रामीण परिवारों को बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अधिकरण (क्रेडा) द्वारा जिले के 38 गांवों में कुल 107 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए हैं। इनकी कुल क्षमता 513 किलोवाट है। इन संयंत्रों के माध्यम से 3,907 परिवारों को सौर विद्युत कनेक्शन प्रदान कर रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था को सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

क्रेडा के जिला प्रभारी ने बताया कि दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में सौर संयंत्रों की सतत कार्यशीलता बनाए रखने के लिए रखरखाव और आवश्यक सुधार कार्य किए जा रहे हैं। ग्राम तौरंगा में सौर विद्युतीकरण व्यवस्था को लेकर प्रकाशित समाचार के संबंध में विभाग ने वास्तविक स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि पुराने सोलर पैनल बदलकर संबंधित संयंत्र को पुनः कार्यशील कर दिया गया है।

विकासखंड मैनपुर के ग्राम तौरंगा में क्रेडा द्वारा सौर विद्युतीकरण योजना के अंतर्गत वर्ष 2007-08 एवं 2017-18 में कुल 20 किलोवाट क्षमता के सौर ऊर्जा



संयंत्र स्थापित किए गए थे। इनके माध्यम से गांव के 147 परिवारों को विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावा गांव में 10 सौर पथ प्रकाश की व्यवस्था भी की गई है। विभाग के अनुसार, वर्ष 2007-08 में स्थापित सौर संयंत्र के सोलर मॉड्यूल काफ़ी पुराने हो जाने के कारण बिजली उत्पादन की क्षमता कम हो गई थी। इस समस्या के समाधान के लिए क्रेडा मुख्यालय से स्वीकृति प्राप्त होने के बाद पुराने सोलर

पैनलों को बदलकर संयंत्र को पुनः कार्यशील कर दिया गया है।

क्रेडा के अनुसार, वर्ष 2016-17 में स्थापित दो सौर संयंत्रों की बैटरियों में आंशिक खराबी के कारण उनकी कार्यशीलता प्रभावित हुई है। विभाग द्वारा संयंत्रों के रखरखाव और कार्यशीलता से संबंधित आवश्यक पहल की जा रही है। विभाग ने यह भी बताया कि ग्रामीणों को सौर ऊर्जा संयंत्रों का उपयोग मुख्य रूप से रात्रि के

समय करने की समझाइश दी जा रही है। कुछ ग्रामीण दिन में ही मोबाइल फ़ोन चार्ज करने, चायिंज बल्ब तथा अन्य उपकरणों को सौर संयंत्र से जोड़कर बिजली का उपयोग कर रहे हैं। इससे बैटरी में संचित ऊर्जा कम हो जाती है और रात के समय बिजली आपूर्ति की अवधि प्रभावित होती है। क्रेडा ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे सौर संयंत्रों का निर्धारित उपयोग करें तथा दिन के समय अनावश्यक रूप से उपकरणों को कनेक्शन से जोड़ने से बचें। इससे बैटरी में ऊर्जा का पर्याप्त भंडारण बना रहेगा और रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था का बेहतर लाभ मिल सकेगा। क्रेडा के जिला प्रभारी ने बताया कि जिले के दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में सौर ऊर्जा के माध्यम से परिवारों को बिजली उपलब्ध कराने के लिए स्थापित संयंत्रों की कार्यशीलता बनाए रखना विभाग की प्राथमिकता है। ग्राम तौरंगा में पुराने सोलर पैनलों को बदलने की कार्यवाही की गई है। अन्य संयंत्रों में भी सामने आ रही तकनीकी समस्याओं और बैटरियों की स्थिति के अनुसार आवश्यक सुधार की जरूरत पर ध्यान दिया जा रहा है। क्रेडा के अनुसार, गांव में सौर विद्युतीकरण के माध्यम से परिवारों को बिजली उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है तथा पुराने पैनल बदलकर संबंधित संयंत्र को चालू किया गया है।

गंजेपन से मुक्ति
मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

पहले बाद में

930009-11331

रंगोली कैल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रॉनिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0768-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539



तुंबाड 2 में कैसे हुई आलिया की एंट्री?

साल 2018 में प्रदर्शित फिल्म तुंबाड ने स्टारडम के मामले में बिना किसी बड़े चेहरे के भी सिनेमा जगत में खूब चर्चा बटोरी थी। अब फिल्म के अभिनेता और निर्माता सोहम साह इसकी सीकल तुंबाड 2 (Tumbbad 2) भी बना रहे हैं। आलिया भट्ट इस हॉरर थ्रिलर के पार्ट-2 में अहम किरदार निभाती हुई नजर आएंगी। हाल ही में सोहम ने फिल्म में आलिया की कास्टिंग के प्रोसेस पर खुलकर बात की है।

इस बार फिल्म निर्माण के स्तर के साथ-साथ स्टारडम के मामले में भी काफी आगे दिख रही है। तुंबाड 2 में सोहम के साथ अभिनेत्री आलिया भट्ट और अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी अहम भूमिकाओं में हैं। बिना किसी बड़े सितारे या बड़े प्रोडक्शन हाउस के फिल्म से आलिया जैसी अभिनेत्री का जुड़ना बड़ी बात है, लेकिन उन्हें भी अच्छे कंटेंट की पहचान है।

हाल ही में सोहम ने बताया कि आलिया ने इस फिल्म के लिए सिर्फ दो मुलाकातों में हां कर दिया था। सोहम ने कहा- हमने उन्हें (आलिया) स्क्रिप्ट सुनाई और उसे पढ़कर उन्होंने तुरंत हां कह दिया। इसलिए आलिया को फिल्म में लाने की प्रक्रिया बहुत आसान थी। वह बहुत सच्ची और पेशेवर कलाकार हैं।

इसके साथ वह बहुत तेज तर्रार भी हैं। वह जितनी अच्छी कलाकार हैं, मुझे लगता है कि बिजनेस को लेकर उनकी समझ भी उतनी ही अच्छी है। जब हम उनसे मिलने

गए, तो उन्होंने फिल्म को लेकर कुछ बहुत जरूरी सवाल पूछे। मुझे ठीक से याद तो नहीं कि उन्होंने क्या पूछा, लेकिन उन्होंने कहानी सुना।

दो या तीन दिन में स्क्रिप्ट पढ़ी और उसके बाद हम फिर मिले। हमने आलिया भट्ट को सिर्फ दो मुलाकातों में साइन कर लिया था। अक्सर ऐसा नहीं होता। यह बहुत मुश्किल है। लेकिन वह स्क्रिप्ट की खूबी समझती हैं।

कब रिलीज होगी तुंबाड 2

बात की जाए सोहम शाह की तुंबाड 2 की रिलीज डेट के बारे में तो इसका खुलासा मेकर्स की तरफ से पहले ही कर दिया गया है।

जिसके आधार पर अगले साल 3 दिसंबर 2027 को तुंबाड पार्ट 2 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित किया जाएगा। इस मूवी का फैंस बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

अभिनेत्री कीर्ति सुरेश और राधिका आप्टे जल्द ही आने वाली सीरीज 'अक्का' में एक साथ नजर आएंगी। यह 1980 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित गैंगस्टर ड्रामा है। अब नेटफ्लिक्स ने शनिवार को कीर्ति के जन्मदिन के मौके पर सीरीज का टीजर जारी कर दिया है। इसके साथ ही मेकर्स ने सीरीज की रिलीज डेट का भी ऐलान किया।

टीजर में कीर्ति सुरेश 'भवानी' और राधिका आप्टे 'रुद्रा' के किरदार में नजर आ रही हैं। टीजर में ऐसी जगह की कहानी दिखाई गई है, जहां 800 साल से औरतों का राज चलता है। इसके बाद कीर्ति की एंट्री होती है, जो कहती हैं कि हमारे यहां औरतें सिर्फ घर नहीं, कारोबार भी चलाती हैं।

वहीं, जो भी उनके खिलाफ जाता है उसे सख्त सजा भी मिलती है। लास्ट में राधिका का एक छोटा सा सीन दिखाई देता है, जो कहता है कि बहरों का राज खत्म करने का समय आ गया है। ऐसे में यह साफ है कि

सीरीज में राधिका और कीर्ति आमने-सामने नजर आएंगी। वाईआरएफ एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी 'अक्का' से धर्मराज शेटी निर्देशन की दुनिया में कदम रख रहे हैं। उन्होंने ही इस सीरीज की कहानी भी लिखी है। इसकी कहानी पेरुनु नाम की एक रियासत में सेट है, जिसे कई पीढ़ियों की महिलाओं ने बनाया, चलाया और सुरक्षित रखा है। परंपराएं, सत्ता की लड़ाई और आपसी दुश्मनी इसकी कहानी का अहम हिस्सा हैं। कीर्ति सुरेश और राधिका आप्टे के अलावा इस सीरीज में तन्वी आजमी भी नजर आएंगी। आदित्य चोपड़ा, योगेंद्र मोगरे और अक्षय विधानी इसके कार्यकारी निर्माता हैं। 'अक्का' का प्रीमियर 30 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर होगा।

क्या बोलीं कीर्ति सुरेश?

एक बयान के अनुसार, कीर्ति ने कहा, 'हर साल दर्शकों से मिलने वाला प्यार इस दिन को मेरे लिए बेहद खास बनाता है।' 'अक्का' के टीजर को रिलीज करके अपना जन्मदिन मनाना मेरे लिए बहुत खास है, क्योंकि यह प्रोजेक्ट मेरे दिल के बेहद

‘औरतें सिर्फ घर नहीं कारोबार भी चलाती हैं’



करीब है। भवानी उन सबसे अलग और यादगार किरदारों में से एक है, जिन्हें निभाने का मुझे मौका मिला है।'

राधिका आप्टे ने कही ये बात

वहीं, राधिका आप्टे ने कहा, 'यह बहुत अच्छा है कि 'अक्का' की रिलीज डेट की

घोषणा और टीजर रिलीज कीर्ति के जन्मदिन के साथ हुई है। मुझे उम्मीद है कि यह हमारे लिए शुभ साबित होगा।' 'रुद्रा' एक दिलचस्प किरदार है, जो अपने विश्वास के अनुसार चलती है और अपने आसपास की दुनिया को चुनौती देने से पीछे नहीं हटती।'

नेहा धूपिया को है शाहरुख की फिल्म ठुकराने का अफसोस इस मिलिट्री सीरीज में भी करना चाहती थीं काम

अभिनेत्री नेहा धूपिया हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'डॉट बी शाय' को लेकर चर्चा में रहीं। इस बीच उन्होंने एक बात पर अफसोस जताया है। उन्होंने उन दो प्रोजेक्ट्स के बारे में बात की है, जिन्हें करने की उनकी इच्छा थी। अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने शाहरुख खान की 2007 की स्पोर्ट्स ड्रामा 'चक दे! इंडिया' और 'ऑपरेशन सफेद सागर' नाम की सीरीज को करने से मना कर दिया था।

नेहा धूपिया ने अपने शो डबल डेट में कहा, 'कभी-कभी, जब आप उन मौकों को याद करते हैं जिन्हें आपने ठुकरा दिया था, तो आपको एहसास होता है कि आपने क्या खो दिया। 'चक दे! इंडिया' और 'ऑपरेशन सफेद सागर' ऐसे ही दो मौके थे जो मेरे साथ रह गए। मैं हमेशा से एक अच्छी स्पोर्ट्स फिल्म और एक अच्छी मिलिट्री फिल्म करना चाहती थी,



मगर ये दो बड़े मौके मेरे हाथ से निकल गए।' **कब रिलीज हुई 'चक दे! इंडिया'**

2007 में रिलीज हुई 'चक दे! इंडिया' को यश राज फिल्मस ने प्रोड्यूस किया था। इसमें शाहरुख खान ने कबीर खान का किरदार निभाया था, जो भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पूर्व कप्तान थे और

बाद में महिला राष्ट्रीय हॉकी टीम के कोच बन जाते हैं। इस स्पोर्ट्स ड्रामा में विद्या मालवड़े, शिल्पा शुक्ला, सागरिका घाटगे और चित्रांशु रावत जैसे कलाकार भी शामिल थे। यह फिल्म शाहरुख खान के सबसे चर्चित कामों में से एक बन गई। **नेहा का करियर**

नेहा ने 2003 में 'क्यामत: सिटी

अंडर थ्रेट' के साथ बॉलीवुड में कदम रखा था। इसके बाद वह 'जूली', 'क्या कूल हैं हम', 'सिंह इज किंग' और 'तुम्हारी सुलु' जैसी फिल्मों में नजर आईं। इतने वर्षों में, उन्होंने टेलीविजन और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी काम किया है।

मई 2026 में, नेहा ने यूट्यूब पर 'डबल डेट' नाम का एक सेलिब्रिटी चैट शो शुरू किया, जिसे वह अपने पति अंगद बेदी के साथ होस्ट करती हैं। इस शो में सेलिब्रिटी जोड़ों को बातचीत करने और गेम्स खेलने के लिए एक साथ लाया जाता है। सितंबर 2026 में रिलीज हुई फिल्म 'डॉट बी शाय' नंदनी वर्मा का किरदार निभाया था। इसमें उनके साथ आरुणि बजाज, बिनाका अरोड़ा, कुणाल रॉय कपूर, अनुराग बसु और महेश ठाकुर थे। इसकी निर्देशक श्रीति मुखर्जी थीं।



रोशन मैथ्यू संग जमेगी सिमर भाटिया की जोड़ी, फिल्म बातों ही बातों में से मचाएंगी धमाल

बीएलएम पिक्चर्स ने अपनी नई रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म बातों ही बातों में की आधिकारिक घोषणा कर दी है। इस फिल्म में रोशन मैथ्यू और अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया की नई जोड़ी पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएगी।

कहानी रिशतों में बातचीत, जुड़ाव और आने वाले अनपेक्षित मोड़ों के इर्द-गिर्द घूमती है। सिमर भाटिया ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत श्रीराम राघवन की फिल्म इक्कीस से की थी, जिसमें उन्होंने अगस्त्य नंदा के साथ काम किया और अपनी बेहतरीन एक्टिंग से लोगों का ध्यान खींचा।

अब वो फिल्म बातों ही बातों में में नजर आएंगी, वहीं, रोशन मैथ्यू साउथ और बॉलीवुड के एक माने हुए अभिनेता हैं। वो आलिया भट्ट की डार्लिंग, कपूर एंड सन्स और उलझ जैसी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों के बीच खास पहचान बना चुके हैं।

गर्दन में दर्द, जकड़न आदि समस्याएं नजर आए तो न करें नजरअंदाजी, हो सकता है खतरनाक

गर्दन में दर्द होना

अगर आपको लगातार गर्दन में दर्द हो रहा है तो इसे नजरअंदाज न करें। यह लक्षण रीढ़ की हड्डी की बीमारियों का संकेत हो सकता है।

दर्द का कारण चाहे जो भी हो, इसे अनदेखा करना खतरनाक हो सकता है।

सही समय पर डॉक्टर से संपर्क करें ताकि समस्या का सही इलाज हो सके और आपको राहत मिल सके। समय रहते इलाज कराने से आप गंभीर बीमारियों से बच सकते हैं।

गर्दन का जकड़ना

गर्दन का जकड़ना भी एक अहम संकेत है, जिसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। अगर आपकी गर्दन अचानक से

जकड़ने लगे तो यह रीढ़ की हड्डी में किसी समस्या का संकेत हो सकता है।

यह स्थिति आमतौर पर असुविधाजनक होती है और इससे रोजमर्रा के काम करना मुश्किल हो जाता है। ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें ताकि सही जांच और इलाज किया जा सके।

सिरदर्द होना

अगर आपको बिना किसी कारण के सिरदर्द हो रहा है तो इसे हल्के में न लें। यह लक्षण रीढ़ की हड्डी की बीमारियों का संकेत हो सकता है, खासकर अगर यह सिरदर्द लगातार हो रहा हो या इसमें कोई बदलाव न आ रहा हो।

ऐसे में डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है ताकि सही जांच और इलाज किया जा सके। समय रहते इलाज कराने से आप गंभीर समस्याओं से बच सकते हैं और बेहतर स्वास्थ्य पा सकते हैं।

हाथों या पैरों में सुन्नपन आना

अगर आपकी गर्दन में दर्द के साथ-साथ हाथों या पैरों में सुन्नपन महसूस हो रहा है तो इसे नजरअंदाज न करें। यह लक्षण रीढ़ की हड्डी की बीमारियों का संकेत हो सकता है।

इस स्थिति में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें ताकि सही जांच और इलाज किया जा सके। समय रहते इलाज कराने से आप गंभीर समस्याओं से बच सकते हैं और बेहतर स्वास्थ्य पा सकते हैं।



अगर आपको गर्दन में दर्द, जकड़न या कोई अन्य समस्या महसूस हो तो इसे नजरअंदाज न करें। ये लक्षण रीढ़ की हड्डी से जुड़ी बीमारियों का संकेत हो सकते हैं। समय रहते इन समस्याओं का इलाज न कराने से गंभीर परिणाम हो सकते हैं। इस लेख में हम आपको इन लक्षणों के बारे में विस्तार से बताएंगे ताकि आप सही समय पर डॉक्टर से संपर्क कर सकें और अपनी सेहत का ध्यान रख सकें।

यामी गौतम ने धुरंधर 2 के लिए ली थी मोटी रकम? अभिनेत्री ने तोड़ी चुप्पी

धुरंधर 2 2026 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म है, जो आदित्य धर के करियर की सबसे अहम फिल्म बन चुकी है। इसमें उनकी पत्नी और जानी-मानी अभिनेत्री यामी गौतम ने भी कैमियो रोल किया था। इसको लेकर काफी चर्चा हुई कि इस रोल के लिए यामी को मोटी रकम दी गई थी। हालांकि, अब अभिनेत्री ने खुद इस बारे में बात करते हुए बताया कि उन्होंने धुरंधर 2 के रोल के लिए फीस ली थी या नहीं।



यामी इन दिनों अपनी नई फिल्म नई नेवेली के प्रचार में व्यस्त हैं और इसी के चलते वह कोण होणार करोड़पति शो में पहुंची थीं। प्रीमो में माधुरी दीक्षित धुरंधर 2 में यामी के अभिनय को सराहती नजर आईं। उन्होंने यामी से पूछा कि उन्हें कैमियो के लिए पैसे मिले थे या उनके पति ने उन्हें केवल फिल्म का हिस्सा बनने को कहा था। यामी ने जवाब दिया, मैंने कहीं पढ़ा कि मुझे कैमियो के लिए बहुत बड़ा चेक मिला। यामी चेक मिलने की बात सुनकर दंग रह गई थीं।

उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि कुछ चीजें अनमोल होती हैं। आदित्य का यह कहना बहुत प्यारा था कि यामी, मैं चाहता हूँ कि तुम बस गुड लक के लिए मेरी फिल्म में आओ और स्क्रीन पर छा जाओ। इसमें बहुत मजा आया। उन्होंने अपने पति के काम की सराहना करते हुए कहा कि सबसे बेहतरीन निर्देशकों में से एक के निर्देशन में काम करना ही मेरी फीस थी।

खास-खबर

स्वामित्व योजना से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई उड़ान

रायपुर। धमतरी जिले में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी स्वामित्व योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण अंचलों में आर्थिक सशक्तिकरण की एक नई लहर दौड़ पड़ी है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शुरू की गई इस पहल के तहत धमतरी जिले में लगभग 78 हजार अधिकार अभिलेखों के वितरण का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से अब तक 54 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों को उनकी आवासीय संपत्ति के अधिकार अभिलेख सौंपे जा चुके हैं और शेष अभिलेखों का वितरण आगामी एक माह में पूरा किया जाना प्रस्तावित है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में आवासीय संपत्तियों का सर्वेक्षण कर पात्र परिवारों को उनकी जमीन का विधिक अधिकार-पत्र उपलब्ध कराना है, जिससे न केवल उनके अधिकारों को मजबूती मिलती है बल्कि संपत्ति का उपयोग आर्थिक उन्नति के साधन के रूप में करने के नए अवसर भी पैदा होते हैं। प्रॉपर्टी कार्ड मिल जाने से ग्रामीण परिवारों को अब बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों से ऋण प्राप्त करने में भारी सहायता मिल रही है, जिससे वे आवास निर्माण, मरम्मत और स्वरोजगार जैसे कार्य आसानी से कर पा रहे हैं।

प्रोजेक्ट सम्बल से दिव्यांगजनों को मिल रहा स्वरोजगार का नया अवसर

रायपुर। दिव्यांगजनों को हुनरमंद बनाकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मोहला-मानपुर-अबागढ़ चौकी जिले में प्रोजेक्ट सम्बल के माध्यम से सार्थक पहल की जा रही है। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित इस परियोजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत रोहा में शुक्रवार को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 50 दिव्यांगजनों को कॉस्मेटिक उत्पाद, महुआ से खाद्य सामग्री तैयार करने और आकर्षक पैकेजिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इप्रशिक्षण में ग्राम पंचायत टोहे के आश्रित ग्राम घोटिया, ग्राम पंचायत कहगांव और ग्राम पंचायत चौकी के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान प्रशिक्षक सुश्री हितेश्वरी निषाद ने बॉडी लोशन, फेस वॉश और बॉडी वॉश जैसे दैनिक उपयोग के कॉस्मेटिक उत्पाद बनाने की विधियां सिखाईं। वहीं, प्रशिक्षक सुश्री मोनिका निषाद ने स्थानीय स्तर पर उपलब्ध महुआ से अचार और लड्डू बनाने के साथ ही आलू पापड़ तैयार करने का प्रशिक्षण दिया। प्रतिभागियों को उत्पादों की आकर्षक एवं व्यवस्थित पैकेजिंग की जानकारी भी दी गई, ताकि वे भविष्य में अपने उत्पादों को बाजार में बेहतर ढंग से प्रस्तुत कर सकें। प्रोजेक्ट सम्बल के माध्यम से दिव्यांगजनों की प्रतिभा और कार्यक्षमता को पहचानकर उन्हें कौशल विकास एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। प्रशिक्षण में स्थानीय संसाधनों से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया।

सही अवसर और मार्गदर्शन मिले तो सरगुजा का बच्चा भी देश में बना सकता है अपनी अलग पहचान: मंत्री राजेश अग्रवाल

35 शासकीय स्कूलों में नीट एवं जेईई की निःशुल्क लाइव ऑनलाइन कोचिंग का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सरगुजा जिले के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के डॉक्टर और इंजीनियर बनने के सपनों को साकार करने की दिशा में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक पहल की गई है। अब जिले के शासकीय विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को नीट एवं जेईई जैसी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बड़े शहरों की ओर रुख करने की आवश्यकता कम होगी। उन्हें अपने विद्यालयों में ही आधुनिक स्मार्ट क्लासरूम, विषय विशेषज्ञ शिक्षकों और नवीनतम डिजिटल तकनीक के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण कोचिंग की सुविधा मिलेगी।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने शनिवार को जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में सरगुजा जिले के 35 शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में नीट एवं जेईई की निःशुल्क लाइव ऑनलाइन कोचिंग का शुभारंभ किया। जिला खनिज संस्थान न्यास एवं स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी परियोजना से लगभग 2,120 विद्यार्थियों को दो वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का



अवसर मिलेगा।

यह पहल विशेष रूप से उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी, जो आर्थिक एवं भौगोलिक परिस्थितियों के कारण बड़े शहरों में जाकर महंगी कोचिंग प्राप्त नहीं कर पाते। अब सरगुजा के विद्यार्थियों को अपने ही विद्यालय में राष्ट्रीय स्तर के शिक्षकों से पढ़ने, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने और अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर प्राप्त होगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि यह केवल एक शैक्षणिक परियोजना का शुभारंभ नहीं, बल्कि सरगुजा के हजारों बच्चों के सपनों को नई उड़ान देने का संकल्प है। शिक्षा ही

वह सशक्त माध्यम है, जिससे समाज और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य संवारा जा सकता है। हमारा प्रयास है कि सरगुजा का कोई भी प्रतिभाशाली विद्यार्थी केवल संसाधनों और आर्थिक परिस्थितियों के अभाव में अपने सपनों से वंचित न रहे।

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि शासकीय विद्यालयों में अध्येयनरत विद्यार्थियों को नीट और जेईई जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर संसाधन एवं गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। इस पहल से विद्यार्थियों को विषय विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिलेगा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में आने वाली आर्थिक एवं शैक्षणिक कठिनाइयों

का लकारां द्वारा किया गया। इसके पूर्व कार्यक्रम के अतिथि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कोरबा विभाग के संचालक संघ चालक सत्येन्द्र दुबे, सामाजिक समरता प्रमुख विश्वनाथ बोगी ने भगवान श्रीरामलला के श्रीचरण में पुष्पमाला अर्पण कर एवं दीप प्रज्ज्वलन कर आज की रामलीला का शुभारंभ कराया। इस दौरान खादी ग्राम उद्योग के अध्यक्ष भोजराम देवांगन, प्राचार्य सूर्यकांत पाण्डेय, वरिष्ठ पत्रकार कमलेश राते विशेष रूप से उपस्थित थे। महापौर संजूदेवी राजपूत ने समस्त अतिथियों का स्वागत किया तथा उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान किया। इस मौके पर निगम के सभापति नूतन सिंह ठाकुर, चन्द्रमा सिंह राजपूत, मेयर इन कार्डसिल के सदस्यगण, पारवर्तगण, एलडरमेनगण एवं काफी संख्या में श्रद्धालु नागरिकगण उपस्थित थे।

को कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रतिभा किसी बड़े शहर की मोहताज नहीं होती। सही अवसर, उचित मार्गदर्शन और कठिन परिश्रम करने का हौसला हो तो सरगुजा का बच्चा भी देश में अपनी अलग पहचान बना सकता है। आवश्यकता केवल इस बात की है कि बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए समान अवसर और उचित संसाधन उपलब्ध कराए जाएं।

मंत्री श्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए लक्ष्य निर्धारित करना, अनुशासन बनाए रखना और निरंतर मेहनत करना आवश्यक है। पढ़ाई के साथ अच्छा व्यवहार और सकारात्मक सोच सफलता की महत्वपूर्ण आधारशिला है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आप बड़े सपने देखिए, उन्हें पूरा करने के लिए पूरी लगन से मेहनत कीजिए और सफलता हासिल कर अपने माता-पिता, विद्यालय, सरगुजा तथा छत्तीसगढ़ का नाम रोशन कीजिए। उन्होंने विद्यालयों के प्राचार्यों को निर्देशित किया कि ऑनलाइन कोचिंग में विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए और अभिभावकों को भी बच्चों की पढ़ाई के प्रति जागरूक एवं प्रेरित किया जाए।

► **सारंगपुर कला में 47.85 लाख, कारेसरा में 59.63 लाख और मड़मड़ा में 48.19 लाख रुपए से बनेगा गौरव पथ**
 ► **ग्राम सारंगपुर कला में 5.20 लाख रुपए की लागत से सीसी रोड निर्माण की घोषणा**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नवरात्रि के पावन अवसर पर उप मुख्यमंत्री कवर्था विधायक विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के ग्राम सारंगपुर कला, कारेसरा और मड़मड़ा में कुल 1 करोड़ 55 लाख 67 हजार रुपए की लागत से गौरव पथ निर्माण का भूमिपूजन कर ग्रामीणों को विकास की सीगात दी।

इसमें ग्राम सारंगपुर कला में 47.85 लाख रुपए, कारेसरा में 59.63 लाख रुपए और मड़मड़ा में 48.19 लाख रुपए की लागत से गौरव पथ का निर्माण किया जाएगा। इन निर्माण कार्यों से तीनों गांवों में सड़क सुविधा बेहतर होगी और ग्रामीणों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने मां दुर्गा की



पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। उन्होंने ग्राम सारंगपुर कला में 5.20 लाख रुपए की लागत से सीसी रोड निर्माण की घोषणा भी की।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने अधिकारियों को गौरव पथ निर्माण कार्यों में गुणवत्ता

और टिकाऊपन का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़कें ऐसी बननी चाहिए, जो लंबे समय तक चलें और ग्रामीणों को बेहतर आवागमन की सुविधा दें। निर्माण कार्यों में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने ग्राम



की गुणवत्ता तथा परिसर के बेहतर नियोजन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई।

परिसर में स्वच्छता, जल निकासी, कचरा संग्रहण, पेयजल एवं साफ-सफाई की व्यवस्था को ध्यान में रखा जाए, ताकि भविष्य में नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। आयुक्त ने संजय नगर तालाब व्यवस्थित और नागरिकों के लिए सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से निर्माण

कि उपलब्ध स्थान का बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को सुविधाजनक एवं व्यवस्थित स्थल मिल सके। ई-बस डिपो के निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। ई-बस संचालन के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का समय पर विकास महत्वपूर्ण है, ताकि तैयार होने के बाद बसों के संचालन एवं रखरखाव में सुविधा हो। निर्माण में

उद्योग मंत्री तथा अतिथियों की उपस्थिति में रामवन गमन सहित रामलीला के विविध प्रसंगों का हुआ मंचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन की उपस्थिति में निगम द्वारा आयोजित रामलीला के आयोजन में रामवन गमन सहित विविध प्रसंगों का मंचन किया गया। इसके पूर्व अतिथियों ने भगवान श्रीरामलला के चरणों में पुष्प अर्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर रामलीला के तृतीय दिवस के आयोजन का शुभारंभ कराया।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा 15 अक्टूबर से 06 दिवसीय रामलीला का आयोजन घंटाघर ओपन थियेटर मैदान में किया जा रहा है। आयोजन के तीसरे दिवस मंथरा कैकेयी संवाद, रामवन गमन, केंवट प्रसंग, दशरथ देवलोचक गमन व भरत मिलाप आदि प्रसंगों का सुंदर मंचन, महाकाल की नगरी उज्जैन व बनारस के

कलाकारों द्वारा किया गया। इसके पूर्व कार्यक्रम के अतिथि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कोरबा विभाग के संचालक संघ चालक सत्येन्द्र दुबे, सामाजिक समरता प्रमुख विश्वनाथ बोगी ने भगवान श्रीरामलला के श्रीचरण में पुष्पमाला अर्पण कर एवं दीप प्रज्ज्वलन कर आज की रामलीला का शुभारंभ कराया। इस दौरान खादी ग्राम उद्योग के अध्यक्ष भोजराम देवांगन, प्राचार्य सूर्यकांत पाण्डेय, वरिष्ठ पत्रकार कमलेश राते विशेष रूप से उपस्थित थे। महापौर संजूदेवी राजपूत ने समस्त अतिथियों का स्वागत किया तथा उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान किया। इस मौके पर निगम के सभापति नूतन सिंह ठाकुर, चन्द्रमा सिंह राजपूत, मेयर इन कार्डसिल के सदस्यगण, पारवर्तगण, एलडरमेनगण एवं काफी संख्या में श्रद्धालु नागरिकगण उपस्थित थे।

छात्रवृत्ति प्रोत्साहन योजना: ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर तक बढ़ी

छात्रवृत्ति प्रोत्साहन योजना: ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर तक बढ़ी

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 की छात्रवृत्ति प्रोत्साहन योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 अक्टूबर 2026 कर दी है। पहले आवेदन की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर निर्धारित थी। संघ ने संबंधित जिला यूनियनों एवं प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों को पात्र छात्र-छात्राओं से आवेदन प्राप्त करने, उनका निर्धारित समय-सीमा में परीक्षण करने और आगे की प्रक्रिया के लिए अग्रेषित करने के निर्देश दिए हैं। समय-सीमा का लाभ उठाते हुए 30 अक्टूबर 2026 से पहले ऑनलाइन आवेदन पूरा कर लें।

ॐ SAIRAM Mobile Accessories

मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है

7000415602

Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्वेक्स एवं ग्रहलत उपलब्ध यहां

उचित व्याज दर पर ऋिवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई

9827938211, 9827171332

कोरबा। उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन की उपस्थिति में निगम द्वारा आयोजित रामलीला के आयोजन में रामवन गमन सहित विविध प्रसंगों का मंचन किया गया। इसके पूर्व अतिथियों ने भगवान श्रीरामलला के चरणों में पुष्प अर्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर रामलीला के तृतीय दिवस के आयोजन का शुभारंभ कराया।

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भाजपा नेता एवं श्रीराम जन्मोत्सव समिति युवा विंग के अध्यक्ष मनीष पाण्डेय ने भिलाई विधायक देवेन्द्र यादव पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि वे कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व की तर्ज पर स्थानीय स्तर पर भी लगातार झूठ, भ्रम और भय की राजनीति कर रहे हैं। मनीष पाण्डेय ने कहा कि कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी पूरे देश में चुनाव आयोग और मददाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण को लेकर अर्गल प्रलाप और भ्रम फैलाने में लगे हुए हैं। उन्हीं के नक्शेकदम पर



चलते हुए भिलाई विधायक भी सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए भ्रम का जाल बुन रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि भिलाई में स्ट्रुक्र प्रक्रिया के तहत कटे 40 हजार नामों को लेकर जब कांग्रेस के अधिकृत बीएलए-2 ने स्थानीय निर्वाचन अधिकारियों के

समक्ष आपत्तियां दर्ज कराई थीं और प्रशासन ने नियमानुसार सबकी सुनवाई की, तो फिर सब कुछ सही होने के बावजूद दिल्ली जाकर राहुल गांधी के साथ धरने-प्रदर्शन का ड्रामा करने का क्या औचित्य था?

श्री पाण्डेय ने आगे कहा कि आगामी भिलाई नगर निगम चुनाव को देखते हुए विधायक एक बार की साजिश रच रहे हैं। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में भिलाई के युवाओं को बीएसपी में सीधी नौकरी दिलाने का वादा किया गया था, जो पूरी तरह ज़ुमला साबित हुआ। अब अपनी विफलताएं

CAR DECOR

House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories

Shop No.3 Nafish Tower, Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai

Mo.9300771925, 0788-4030919

K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE

Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture

Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 22964330

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE

Shri Vijay Enterprises

Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.

Supela Market, Bhilai

PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

दिव्यांग युवती से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। चकरभाटा थाना क्षेत्र के बोड़सरा में दिव्यांग युवती से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने 55 वर्षीय आरोपी माखन लाल धृतलहरे को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि आरोपी ने युवती को जान से मारने की धमकी देकर वारदात को अंजाम दिया था। घटना के बाद वह घर के पिछले दरवाजे से फरार हो गया था। पीड़िता के परिजन की शिकायत पर चकरभाटा पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया. आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 331, 351(3) और 64(1) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

थाना परिसर में हंगामा करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। सकरी थाना परिसर में हंगामा करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान राजेश देवांगन और महेश श्रुव उर्फ करिया के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दुर्गा पंडाल के पास मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। घटना की शिकायत दर्ज कराने के लिए दोनों पक्ष थाने पहुंचे थे, जहां उनके बीच दोबारा हंगामा हो गया। स्थिति को देखते हुए सकरी पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शांति भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हाथी के हमले में ग्रामीण की मौत

कोरबा। वनांचल ग्राम खोडरी में हाथी के हमले से ग्रामीण की मौत हो गई। वह ग्रामीणों के साथ गांव के समीप पहुंचे हाथियों को देखने गया था। इसी दौरान झुंड में शामिल एक हाथी ने सूंड से हमला कर दिया। ग्रामीण हाथी के हमले से एक गड्डे में जा गिरा। उसे स्थानीय अस्पताल के बाद बिलासपुर स्थित चिकित्सालय ले जाया गया था। वन विभाग की ओर से पीड़ित परिवार को तत्कालिक सहायता राशि दी गई है। 52 हाथियों का झुंड गांव के समीप जंगल में डेरा डाला हुआ है। हाथियों की चिंहाड़ सुनकर गांव में रहने वाला प्रताप सिंह वाकने 40 वर्ष कुछ ग्रामीणों के साथ चला गया। झुंड में शामिल एक हाथी ने ग्रामीणों को दौड़ाना शुरू कर दिया। ग्रामीण तो भाग निकले, लेकिन प्रताप पीछे रह गया।

हत्या के प्रयास का एक साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। हत्या के प्रयास के मामले में करीब एक साल से फरार आरोपी को मस्तूरी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गतौरा निवासी सुमेन्द्र कुमार खाण्डे के रूप में हुई है. किराना दुकान में विवाद के बाद एक युवक पर लोहे के पाइप से सिर पर जानलेवा हमला किया गया था। बीच-बचाव करने पहुंचे परिजनों के साथ भी मारपीट की गई थी। आरोपी शिव खाण्डे को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। फरार आरोपी सुमेन्द्र को उसके घर पर दबिश देकर पकड़ा गया।

आंखों में मिर्च पाउडर डालकर एक्स गर्लफ्रेंड के मंगेतर पर जानलेवा हमला



श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले के जामुल इलाके में प्रेम प्रसंग को लेकर हुए विवाद में युवक पर जानलेवा हमला किया गया। आरोप है कि दीपक गुप्ता (48) ने अपनी एक्स गर्लफ्रेंड के मंगेतर अमित कुमार बंजारे की आंखों में मिर्च पाउडर डालकर धारदार हथियार से वार किया। हमले में घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए दुर्ग रेफर किया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।। मामला जामुल थाना क्षेत्र का है।

घटना 15 अक्टूबर की रात शिवपुरी इलाके की है। घायल अमित कुमार बंजारे ने जामुल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि वह अपनी प्रेमिका के साथ आरोपी दीपक गुप्ता के पास

पहुंचा था। इस दौरान शादी के लिए आधार कार्ड मांगने की बात पर विवाद शुरू हो गया। युवती का आधार कार्ड दीपक गुप्ता के पास था। उसे लेने के लिए युवती अपने मंगेतर अमित कुमार बंजारे के साथ उसके पास पहुंची थी। आधार कार्ड को लेकर विवाद होने के बाद दीपक ने अमित को नया मकान दिखाने की बात कही। इसके बाद वह उसे शिवपुरी इलाके की ओर ले गया। आरोप है कि वहां पहुंचने पर दीपक ने अमित की आंखों में मिर्च पाउडर डाल दिया।

इसके बाद उसने धारदार हथियार से अमित पर हमला कर दिया। आरोपी दीपक गुप्ता (48) कैप-01, जलेबी चौक स्थित दीदार स्टूडियो के पीछे, थाना छवनी क्षेत्र का रहने वाला है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मिठाइयों में मरे कॉकरोच-कीड़े, चाशनी में फफूंद, 4 दुकानों का लाइसेंस सस्पेंड, 150 किलो मिठाई और 10 किलो पनीर नष्ट

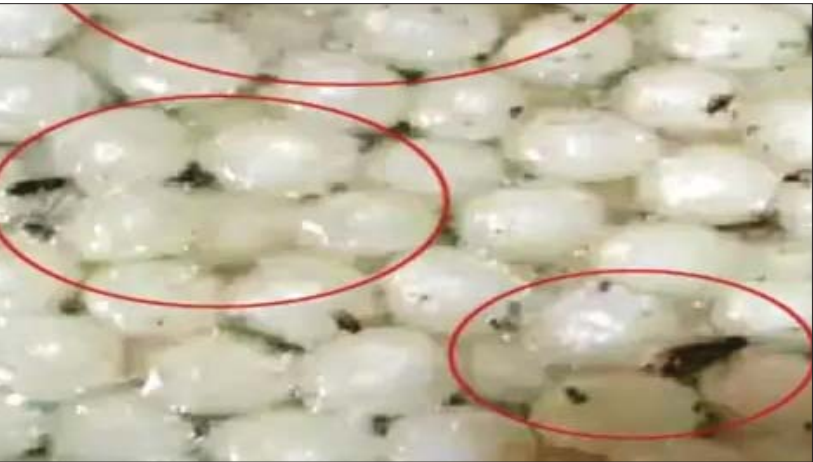
श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। त्योहारी सीजन में मिठाइयों की बढ़ती मांग के बीच राजधानी में खाद्य सुरक्षा से खिलवाड़ का बड़ा मामला सामने आया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन के नियंत्रक दीपक अग्रवाल के नेतृत्व में विभागीय टीम ने शनिवार को शहर के चार प्रमुख प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान तेलीबांधा की तीन मिठाई दुकानों में मिठाइयों पर मरे हुए कॉकरोच, कीड़े और बाल रंगते मिले, जबकि चाशनी में फफूंद व जाले पाए गए। गंभीर अनियमितताएं मिलने पर विभाग ने चारों प्रतिष्ठानों के खाद्य लाइसेंस निलंबित कर उन्हें कम से कम तीन दिन तक दुकानें बंद रखने के निर्देश दिए हैं।

जांच के दौरान तेलीबांधा स्थित न्यू जनता स्वीट्स में मिठाई बनाने वाली जगह पर भारी गंदगी मिली। यहां दीवारों से रंग उखड़ रहा था, फ्रीजर में पुरानी मिठाइयां रूसकर रखी थीं और कई खाद्य सामग्रियां खुले में पड़ी थीं।

मां अंबे स्वीट्स में चाशनी पर मकड़ी के जाले लगे थे, परिसर में गंदे कपड़े पड़े थे और मिठाइयों के बीच मरे हुए कॉकरोच व कीड़े



मिले। वहीं, स्वीट हट एंड बेकरी के कोल्ड स्टोरेज में गंदगी के बीच रखी चमचम मिठाई में कीड़े पाए गए, सीढ़ियों पर पान-गुटखा थूकने के निशान थे और खाद्य सामग्री असुरक्षित रूप से खुली रखी थी।

पचपेड़ी नाका स्थित रायपुर ढाबा के किचन और बर्तन धोने वाली जगह पर भी भारी गंदगी मिली, इडली बनाने की मशीनों खराब हालत में थीं और पनीर की गुणवत्ता संदिग्ध पाई गई।

कार्रवाई के तहत टीम ने मौके पर ही करीब

150 किलोग्राम विभिन्न प्रकार की मिठाइयां और 10 किलोग्राम पनीर नष्ट कराया। इसके अलावा रायपुर ढाबा से लगभग 50 किलोग्राम संदिग्ध पनीर जब्त किया गया। विभाग ने खोवा, कुंदा, पनीर, बूंदी, बेसन के लड्डू, कलाकंद और छेना मिठाइयों समेत विभिन्न खाद्य पदार्थों के 12 नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे हैं।

अधिकारियों के अनुसार 14 दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट आने की उम्मीद है, जिसके आधार पर संबंधित कारोबारियों के खिलाफ न्यायालयीन

मां और सौतेले पिता ने 3 साल के बच्चे को पीटा, हाथ फैक्चर, मोहल्ले वालों की शिकायत पर दोनों गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के पंडरी में 3 साल के बच्चे के साथ मां और सौतेले पिता ने बेरहमी से मारपीट की। उसके हाथ में फ्रैक्चर हो गया और प्लास्टर चढ़ाना पड़ा। चोट के कारण उसकी आंख बुरी तरह सूज गई है। पीट पर रिगरेट से दागने के निशान भी मिले हैं।

बच्चे की 6 साल की बहन लक्ष्मी ने मोहल्ले के लोगों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद बस्ती के लोग सिविल लाइन थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मां-पिता के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में पता चला है कि पति-पत्नी के बीच जब भी झगड़ा होता था, वे गुस्से में बच्चे को पीटते थे।

पुलिस के मुताबिक, घटना तरुण नगर, लोधीपारा की है। 13 अक्टूबर की सुबह करीब 8:30 बजे लक्ष्मी ने मोहल्ले वालों को अपने छोटे भाई के साथ मारपीट की



जानकारी दी। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि बच्चे के चेहरे और शरीर पर चोट के निशान हैं।

उसके हाथ पर प्लास्टर चढ़ा हुआ है और बाई आंख में भी सूजन है। बच्चे को उसका सौतेला पिता राजा पीटता था, लेकिन मां अन्नू देवी उसे नहीं रोकती थी। बच्चे के साथ पहले भी मारपीट किए जाने का आरोप लगाया गया है।

जशपुर में कार-ट्रक की आमने-सामने टक्कर, हादसे में 2 लोग गंभीर घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जशपुर जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के दौंडका चौरा में कार और ट्रक के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। दोनों घायलों को जिला अस्पताल जशपुर में भर्ती कराया गया है। इनमें से एक की पहचान राजू गुप्ता के रूप में बताई जा रही है।

मिली जानकारी के

अनुसार, ट्रक गम्हरिया की ओर से गुमला जा रहा था, जबकि कार गुमला की ओर से गम्हरिया आ रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दोनों वाहनों की रफ्तार तेज थी। इसी दौरान दौंडका चौरा के पास दोनों वाहनों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही हाईवे पेट्रोलिंग और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। दोनों घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल जशपुर भेजा गया, जहां उन्हें भर्ती कराया गया है।

कार्रवाई : सड़क पर बिजनेस करने वाले वाहन डीलरों को समझाइश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा जिले में सुगम, सुरक्षित एवं व्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से सड़क पर अनावश्यक रूप से वाहन खड़ा कर यातायात बाधित करने वालों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज दिनांक 17 अक्टूबर 2026 को सुपेला से पावर हाउस मार्ग तक सड़क पर वाहन खड़ा कर यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले ऑटो डील संचालकों के विरुद्ध नगर निगम के साथ संयुक्त रूप से कार्रवाई की गई। इस दौरान सड़क पर अव्यवस्थित तरीके से खड़े वाहनों के कारण होने वाली यातायात संबंधी समस्याओं को दूर करने तथा आवागमन सुचारु बनाए रखने की पहल की गई।



इसके अतिरिक्त पावर हाउस ऑटो स्टैंड में ऑटो चालकों को समझाइश देते हुए स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे सड़क के बीच या

आवागमन वाले मार्ग पर ऑटो खड़ा न करें। अपने ऑटो निर्धारित स्थान पर अथवा सड़क के किनारे व्यवस्थित तरीके से खड़े करें,

रुपयों के विवाद में हमला, आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर। जांजगीर थाना क्षेत्र में पैसों के लेन-देन के विवाद में तीन युवकों ने एक युवक पर डंडे और बटनदार चाकू से हमला कर दिया। पिस्टलनुमा हथियार से भी उसे डराया गया। कोतवाली पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने रीपोर्ट दर्ज होने के कुछ घंटे के भीतर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

उनके कब्जे से डंडा, बटनदार चाकू और पिस्टलनुमा लाइटर जब्त किया गया है। पुलिस के मुताबिक घटना 15 अक्टूबर की रात 12 बजे की है। आरोपी आसिफ खान ने पीड़ित को फोन कर घर से बाहर बुलाया और बीटीआई चौक से बड़े नहर पुल की ओर ले गया। रास्ते में उसने पैसे मांगे। पीड़ित के मना करने पर आसिफने डंडे से मारपीट की और चाकू से हमला कर दिया। पीड़ित ने मोबाइल निकाला तो आरोपी ने उसे जमीन पर पटककर तोड़

दिया। कोतवाली और साइबर सेल की टीम ने घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को अलग-अलग जगह से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में वार्ड-21 आईबी रेस्ट हाउस के पास निवासी सतीश यादव उर्फ बाटा (32), पुरानी बस्ती नैला निवासी आसिफ खान (25) और वार्ड-20 खड्डपट्टीपारा निवासी उमाशंकर यादव उर्फ बाबा (28) शामिल हैं।

पुलिस के मुताबिक विवाद के दौरान सतीश यादव उर्फ बाटा और उमाशंकर यादव उर्फ बाबा भी मौके पर पहुंचे और पीड़ित से डंडों से मारपीट की। आरोप है कि सतीश ने कमर से काटें जैसा हथियार निकालकर पीड़ित की ओर फायर करने का प्रयास किया। बाद में पुलिस ने आरोपियों से पिस्टलनुमा लाइटर जब्त किया। गंभीर चोट और डर के कारण पीड़ित बेहोश होकर गिर पड़ा। उसे मरा समझकर आरोपी मौके से भाग गए।

खास खबर



कौशल प्रशिक्षण से आशा बनी तकनीशियन, मिली नौकरी

खैरागढ़। मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना युवाओं को हुनरमंद बनाकर रोजगार से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसी योजना से प्रशिक्षण प्राप्त कर खैरागढ़ की आशा वर्मा ने आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाया है। डिजिटल मित्र का प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उनका चयन गुजरात स्थित टाटा गोएटियन कंपनी में तकनीशियन के पद पर हुआ है, जहां उन्हें प्रतिमाह 17 हजार रुपए वेतन मिल रहा है। साधारण किसान परिवार से आने वाली आशा के लिए सीमित आर्थिक संसाधनों के बीच पढ़ाई पूरी करना और रोजगार हासिल करना चुनौती थी। उनके पिता ने हमेशा उन्हें शिक्षा प्राप्त करने और स्वावलंबी बनने के लिए प्रेरित किया। बी.ए. की पढ़ाई पूरी करने के बाद आशा अपने पैरों पर खड़े होकर परिवार का सहारा बनना चाहती थीं। इसी उद्देश्य से उन्होंने पॉलिटेक्निक कॉलेज खैरागढ़ में जय रणछोड़ बाबा शिक्षण समिति दिल्ली राजराज के माध्यम से मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत संचालित डिजिटल मित्र पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने कंप्यूटर ऑपरेटिंग, कंप्यूटर हार्डवेयर और सिस्टम कॉन्फिगरेशन जैसे तकनीकी कार्यों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। प्रशिक्षण और मार्गदर्शन से आशा को रोजगार का अवसर मिला। आज नियमित आय से वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर परिवार को सहयोग दे रही हैं। आशा ने इस उपलब्धि के लिए छत्तीसगढ़ सरकार और मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के प्रति आभार व्यक्त किया है।

सेवा संकल्प अभियान 2026 : धान की जगह अदरक की खेती में संभावना तलाश रहे सरगुजा के किसान



किसान सुनील कुमार सिंह बताते हैं कि पिछले वर्ष उन्होंने अपने खेत में धान की खेती की थी। इस वर्ष कृषि विभाग के ग्राम सेवक से कृषक उन्नति योजना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने परंपरागत खेती से हटकर वैकल्पिक फसल लगाने का निर्णय लिया। कृषि विभाग के मार्गदर्शन में उन्होंने अपनी एक एकड़ भूमि में अदरक की खेती शुरू की। वर्तमान में अदरक की फसल अच्छी स्थिति में है, जिससे वे बेहतर उत्पादन की उम्मीद कर रहे हैं। उनका कहना है कि खेती में नई फसलों को अपनाने से किसानों के लिए आमदनी के अतिरिक्त अवसर विकसित हो सकते हैं। सुनील ने बताया कि योजना के अंतर्गत एक एकड़ में फसल विविधीकरण करने पर उन्हें 15 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्राप्त होगी। इस राशि से अदरक की खेती में बीज, खाद एवं अन्य कृषि कार्यों पर हुए खर्च की भरपाई करने में सहायता मिलेगी।

कालीबाड़ी में मां काली और मां दुर्गा से मांगी प्रदेश की खुशहाली

सामाजिक एकता और सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करते हैं हमारे पर्व व उत्सव : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बीती शाम राजधानी रायपुर स्थित प्रसिद्ध मां काली मंदिर, कालीबाड़ी एवं दुर्गा पूजा पंडाल पहुंचे। मुख्यमंत्री ने विधि-विधान से मां काली एवं मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की। उन्होंने मां के चरणों में शीश नवाकर छत्तीसगढ़ में सुख, शांति और समृद्धि बनाए रखने का आशीर्वाद मांगा।



संस्कृति, लोक परंपराओं और धार्मिक आस्था से भी है। हमारे पर्व और उत्सव केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, आपसी प्रेम और गौरवशाली परंपराओं से जोड़ता है। मां दुर्गा शक्ति, साहस और सकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक हैं। उनकी आराधना हमें जीवन की चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना करने तथा सत्य, धर्म और सदाचार के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रद्धा एवं भक्तिभाव से मां भगवती की आराधना करते हुए प्रदेश की निरंतर प्रगति तथा प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख और समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि शक्ति की आराधना का यह पावन अवसर हमें अपनी आस्था, संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं से जोड़ता है। मां दुर्गा शक्ति, साहस और सकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक हैं। उनकी आराधना हमें जीवन की चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना करने तथा सत्य, धर्म और सदाचार के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मां भगवती शक्ति की उपासना का यह पर्व हमें मातृशक्ति के सम्मान और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका का भी स्मरण कराता है। हमारी संस्कृति में नारी शक्ति को सदैव सर्वोच्च स्थान दिया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने मां भगवती से प्रार्थना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के प्रत्येक परिवार में सुख-शांति बनी रहे, किसानों के खेतों में समृद्धि आए, युवाओं के सपनों को नई उड़ान मिले और माताओं-बहनों के जीवन में खुशहाली आए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मां भगवती की कृपा से हमारा छत्तीसगढ़ विकास,

मां दुर्गा के चरणों में बैठकर डिप्टी सीएम शर्मा ने सुनी ग्रामीणों की समस्या, किया निराकरण

श्रीकंचनपथ समाचार

कवर्धा। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने नवरात्रि के पावन पर्व पर कबीरधाम जिले के विभिन्न गांवों का दौरा कर देवी पंडालों और मंदिरों में दर्शन-पूजन किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से आत्मीय मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और विभिन्न विकास कार्यों की घोषणाएं कीं। विशेष रूप से ग्राम मढ़मढ़ा में देवी पंडाल जनसमस्या निवारण के केंद्र के रूप में नजर आया, जहां उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने मां दुर्गा के चरणों के समीप बैठकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं का निराकरण किया।



लिया और पंडाल में ही ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं एवं मांगें सुनीं। ग्रामीणों की मांग पर उन्होंने दैहान के पास 3 लाख रुपए की लागत से मंच निर्माण, यादव समाज के सामुदायिक भवन में अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए 6 लाख 50 हजार रुपए, वीबी जिरामजी के अंतर्गत मुक्तिधाम में शोध निर्माण तथा पटेल समाज

भवन में किचन शोध निर्माण की घोषणा की। इसके साथ ही ग्राम के वार्ड क्रमांक 9 में 6 लाख 50 हजार रुपए की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण और दैहान के पास एक एचपी क्षमता का बोर स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने ग्राम की सड़कों के विकास के लिए 30 लाख रुपए के श्रममूलक कार्य तथा 15 लाख

रुपए के मुरमीकरण कार्यों की भी घोषणा की। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्राम मैनुपुरी पहुंचकर दुर्गा पंडाल में मां दुर्गा के दर्शन किए। इस पंडाल में छत्तीसगढ़ के 36 देवी-देवताओं, देश के 12 ज्योतिर्लिंगों और चारों धाम के साथ अयोध्या के भगवान श्रीराम तथा भगवान जगन्नाथ की आकर्षक झांकियां स्थापित की गई हैं। उन्होंने इन धार्मिक झांकियों का अवलोकन किया और मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की।

धमतरी में पोषण क्रांति का आगाज : अतिथि का स्वागत अब गुलदस्ते से नहीं, मुनगा पौधे से होगा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। धमतरी में कुपोषण मुक्ति और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अनूठी और अनुरूपणीय पहल की शुरुआत हुई है। 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत संचालित 'हर घर मुनगा, घर-घर मुनगा' मुहिम को अब एक जनआंदोलन का रूप दिया जा रहा है, जिसके तहत धमतरी जिले में आयोजित होने वाले सभी विभागीय कार्यक्रमों में अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ के स्थान पर मुनगा का पौधा भेंट किया जाएगा।



प्रभावी ढंग से उतारने के लिए जिला स्तर पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुनगा पौधों के रोपण, उनकी ऑनलाइन प्रविष्टि, भौतिक सत्यापन और उनके पोषण संबंधी महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। अभियान में पूरी पारदर्शिता और सटीक डेटाबेस तैयार करने के लिए तकनीक का सहारा लिया जा रहा है।

प्रशिक्षण के दौरान सभी पर्यवेक्षकों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे संबंधित कार्यकर्ताओं के माध्यम से रोपित किए गए प्रत्येक मुनगा पौधे की प्रविष्टि अनिवार्य रूप से 'मुनगा ट्रैकर ऐप' पर कराएं और दर्ज की गई जानकारी का समय-समय पर सत्यापन सुनिश्चित करें। इस डिजिटल मॉनिटरिंग का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है

कि पौधरोपण केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि प्रत्येक घर तक मुनगा की उपलब्धता और उसका नियमित उपयोग फलीभूत हो सके। मुनगा (सहजन) को यूं ही सुपरफूड नहीं कहा जाता, बल्कि इसकी पत्तियां, भाजी और फलियां पोषक तत्वों का खजाना होती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, मुनगा की हरी पत्तियों में विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन, प्रोटीन और प्रचुर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट यौगिक पाए जाते हैं। इसकी फलियां का उपयोग सब्जी, दाल और कई पारंपरिक व्यंजनों में किया जाता है, जो शरीर की पोषण संबंधी जरूरतों को आसानी से पूरा करते हैं। विशेष रूप से बढ़ते बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं के आहार में विविधता लाने और उनके पोषण स्तर को ऊपर उठाने में यह बेहद कारगर साबित हो सकता है।

सेवा संकल्प अभियान-2026

प्रोजेक्ट आंगन लक्ष्मी से ग्रामीण महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर

शशिरत्न पाराशर

धमतरी। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत धमतरी जिले में ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, उनकी आजीविका के साधनों का विस्तार करने तथा पशुपालन को लाभकारी व्यवसाय के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट आंगन लक्ष्मी की शुरुआत की जा रही है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जयंत नाहटा के निर्देशन में यह पहल की शुरुआत होगी।



धमतरी जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में परिवार कृषि एवं मौसमी मजदूरी पर निर्भर हैं। धान की एक प्रमुख फसल, सीमित रोजगार अवसर और मौसम तथा बाजार की अनिश्चितताओं के कारण कई परिवारों को वर्षभर नियमित आय बनाए रखने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में बकरीपालन, देशी मुर्गीपालन और डेयरी जैसे पशुपालन आधारित व्यवसाय ग्रामीण परिवारों के लिए आय के वैकल्पिक एवं टिकाऊ साधन बन सकते हैं।

प्रोजेक्ट आंगन लक्ष्मी के माध्यम से महिलाओं की स्थानीय संसाधनों पर आधारित आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें उद्यमिता से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। यह पहल छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के माध्यम से महिला स्व-सहायता समूहों की आर्थिक गतिविधियों को मजबूत करेगी। परियोजना में विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका

चरण में कुल 600 महिला पशु उद्यमी इकाइयों के विकास की दिशा में कार्य किया जाएगा। परियोजना के अंतर्गत महिला उद्यमियों को उन्नत एवं वैज्ञानिक पद्धतियों से बकरीपालन के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। साथ ही देशी मुर्गीपालन को आजीविका के एकीकृत मॉडल के रूप में विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। पशुओं के उचित पोषण, नियमित टीकाकरण, बीमा तथा स्वास्थ्य सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं को बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि पशुधन की सुरक्षा के साथ उद्यमों की आर्थिक व्यवहार्यता भी सुनिश्चित हो सके। पशुपालन से प्राप्त गोबर एवं अन्य जैविक संसाधनों से खाद तैयार करने, उसके संग्रहण और विक्रय को प्रोत्साहित करने की भी योजना है। इससे उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और महिलाओं के लिए आय के अतिरिक्त अवसर विकसित हो सकेंगे। उत्पादों के विपणन के लिए बायबैक व्यवस्था के माध्यम से बाजार से जुड़ाव सुनिश्चित करने की परिकल्पना की गई है।

स्वामित्व योजना से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई उड़ान, धमतरी जिला बना राज्य में मिसाल

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। जिले में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी स्वामित्व योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण अंचलों में आर्थिक सशक्तिकरण की एक नई लहर दौड़ पड़ी है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शुरू की गई इस पहल के तहत धमतरी जिले में लगभग 78 हजार अधिकार अभिलेखों के वितरण का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से अब तक 54 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों को उनकी आवासीय संपत्ति के अधिकार अभिलेख सौंपे जा चुके हैं और शेष अभिलेखों का वितरण आगामी एक माह में पूरा किया जाना प्रस्तावित है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में आवासीय संपत्तियों का सर्वेक्षण कर पात्र परिवारों को उनकी जमीन का विधिक अधिकार-पत्र उपलब्ध कराना है, जिससे न केवल उनके



अधिकारों को मजबूती मिलती है बल्कि संपत्ति का उपयोग आर्थिक उन्नति के साधन के रूप में करने के नए अवसर भी पैदा होते हैं। प्रांप्ति काई मिल जाने से ग्रामीण परिवारों को अब बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों से ऋण प्राप्त करने में भारी सहायता मिल रही है, जिससे वे आवास निर्माण, मरम्मत और स्वरोजगार जैसे कार्य आसानी से कर पा रहे हैं। इसी का एक जीवंत और प्रेरक

उदाहरण धमतरी जिले के ग्राम मड़ईभाटा के लघु कृषक देवेंद्र देवांगन हैं, जिन्हें 17 मई 2025 को स्वामित्व योजना के तहत अपना प्रांप्ति काई प्राप्त हुआ था। अभिलेख के आधार पर उन्होंने आईडीएफसी बैंक से 14.75 लाख रुपये का ऋण प्राप्त किया और अपने गांव में ही देवांगन टेलर्स एंड रेडीमेड गारमेंट्स के नाम से अपनी खुद की दुकान शुरू की और एक बेहतर कल की नींव रखी।